वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 282 | शुक्रवार 9 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पेट्रोल और डीजल में कोई राहत नहीं मिली

अंतरिम बजट में सबसे ज्यादा उम्मीद पेट्रोल और डीजल पर वैट कम होने की थी। माना जा रहा था कि भजनलाल सरकार पेट्रोल और डीजल पर लग रहे वैट की दर को कम करने को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा कर सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राजस्थान में देश के दूसरे राज्यों की अपेक्षा पेट्रोल और डीजल पर अधिक वैट वसूल किया जाता है। राजस्थान में पेट्रोल पर 31.04 प्रतिशत वैट है और 1.5 रुपए प्रति लीटर रोड डेवलपमेंट सेस भी वसूला जाता है। इसी तरह डीजल पर 19.30% वैट और 1.75 रुपए प्रति लीटर रोड डेवलपमेंट सेस वसूल किया जाता है, जो अन्य राज्यों की अपेक्षा काफी ज्यादा है। इसकी वजह से राजस्थान के मुकाबले देश के दूसरे राज्यों में पेट्रोल 16 रुपए और डीजल 11 रुपए तक सस्ता मिलता है। पेट्रोल-डीजल पर ज्यादा वैट को लेकर बीजेपी के नेता कई बार पूर्व कांग्रेस सरकार पर निशाना भी साध चुके हैं। पीएम मोदी से लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी तक महंगे पेट्रोल और डीजल के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहरा चुके हैं।

राजस्थान में इस साल 70 हजार पदों पर होगी भर्ती

बुजुर्गों को बसों में 50% छूट की घोषणा; बेटी होने पर एक लाख का सेविंग बॉन्ड मिलेगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

भजनलाल सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले सदन में पेश किए गए लेखानुदान में कई लोकलुभावन घोषणाएं की हैं। युवाओं को साधने के लिए 70 हजार पदों पर नई भर्तियों की घोषणा की गई है। रोडवेज बसों में बुजुर्गों को भी किराए में 50 फीसदी की छूट देने की घोषणा की गई है। अब तक महिलाओं को यह छूट मिल रही थी। अब तक के सबसे लंबे 51 पेज के लेखानुदान भाषण में किसानों, महिलाओं, कर्मचारियों, मजदूर, व्यापारी, युवाओं और उद्योग व्यापार सहित हर वर्ग के लिए सरकार ने ऐलान किया है। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने विधानसभा में अंतरिम बजट पेश किया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत बुजुर्ग और विधवा महिलाओं को दी जाने वाली पेंशन में 150 रुपए का इजाफा किया गया है। अंतरिम बजट में वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड स्कीम भी शुरू होगी और 5 लाख गोपालकों को कर्ज दिया जाएगा। बजट में जयपुर में मेट्रो के विस्तार की मंजूरी दी गई है। वित्तीय वर्ष 2022-2023 में राजस्थान के 5 लाख घरों में सोलर प्लांट भी लगाए जाने का ऐलान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़कों के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4 लाख 86 हजार 615 का कुल बजट का अनुमान है। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने चार महीने के लिए 1.10 लाख करोड़ रुपए का लेखानुदान पेश किया है।

किसानों के लिए 2000 करोड़ राजस्थान एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन बनेगा: अंतरिम बजट में किसानों के लिए 2000 करोड़ का राजस्थान एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन बनाने की घोषणा की है। 20 हजार फार्म पोंड, 5000 किसानों के लिए वर्मी कंपोस्ट, फूड पार्क और हॉर्टिकल्चर हब बनेंगे। 500 कस्टमर हायरिंग सेंटर बनेंगे। किसानों को मुफ्त बीज किट दिए जाएंगे।

शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार

भर्तियों का कैलेंडर बनेगा, केजी से पीजी तक फ्री शिक्षा: युवाओं के लिए भी सरकार ने लोकलुभावन घोषणा की है। 70 हजार नई भर्तियों के अलावा हर जिले में रोजगार मेले और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया गया है। वहीं, आरपीएससी और कर्मचारी चयन बोर्ड का वार्षिक भर्ती कैलेंडर जारी करने का वादा भी किया गया है। इसके साथ ही करीब 20 हजार युवाओं को गाइड हॉस्पिटैलिटी की ट्रेनिंग दी जाएगी। कमजोर आय वर्ग और छोटे किसानों के बच्चों को राज्य सरकार मुफ्त शिक्षा देगी। उन्हें केजी से पोस्ट ग्रेजुएशन तक फ्री शिक्षा मिलेगी।

खेल-खिलाड़ी

प्रदेश में मिशन ओलंपिक 2028 की घोषणा: 2028 के ओलंपिक खेलों के लिए 50 प्रतिभाशाली युवाओं को तैयार किया जाएगा। इसके लिए उन्हें ट्रेनिंग किट, कोर्स सहित सभी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए मिशन ओलंपिक 2028 की घोषणा की गई है। जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्पोर्ट्स खोला जाएगा, जिस पर 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाएगा।

शालीमार एन्क्लेव जैन मंदिर में भक्तों ने चढ़ाया प्रभु को निर्वाण लाडू

आगरा. शाबाश इंडिया। 08 फरवरी को आचार्यश्री ज्ञेयसागर जी महाराज एवं मुनिश्री ज्ञातसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में प्रथम तीर्थंकर श्री 1008 आदिनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव बडे.ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महोत्सव का शुभारंभ भक्तों ने आचार्यश्री के उच्चारित मंत्रो के साथ प्रभु का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा के साथ किया। भक्तों ने विधानाचार्य जी के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष मण्डल पर अर्घ्य अर्पित कर श्री आदिनाथ विधान सम्पन्न किया। इसके बाद सभी भक्तों ने निर्वाणकाण्ड का पाठकर श्री आदिनाथ भगवान के समक्ष निर्वाण लाडू अर्पित किया। इस अवसर पर राजकुमार गुड्डू, मुकेश जैन रपरिया राजू गोधा, संजय गोधा,अंकेश जैन, आर्जव जैन समस्त शालीमार एन्क्लेव एवं ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

कलाकुंज जैन मंदिर में मनाया प्रभु का मोक्षकल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया। मारुति स्टेट स्थित श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर कलाकुंज में वात्सल्य सेवा समिति के तत्वावधान में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री भगवान आदिनाथ का निर्वाण कल्याणक महोत्सव बडे.ही धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें भक्तों ने प्रभु का अष्टद्रव्यों से भक्तिभाव से पूजन किया। इसके बाद भक्तों ने सामूहिक रुप से निर्वाण कांड का वाचनकर प्रभु के समक्ष निर्वाण लाडू अर्पित किया। इस दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर अजय जैन,राजीव जैन, संजय जैन,दीपक जैन,शुभम जैन, मुकेश जैन भगत,रश्मि जैन समस्त कलाकुंज जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

संजय अग्रवाल अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन की बोर्ड मीटिंग में सर्व सम्मति से रोटेरियन संजय अग्रवाल को वर्ष 25 -26 का अध्यक्ष चुना गया। संजय अग्रवाल ने सभी सदस्यों का आभार जताया व सभी सदस्यों के सहयोग से ज्यादा से ज्यादा सेवा कार्यों को करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा,अध्यक्ष राजेश गंगवाल,क्लब ट्रेनर प्रमोद जैन, मुख्य सलाहकार अमित अग्रवाल व सभी बोर्ड सदस्य उपस्थित थे।

श्रीमद्भागवत प्रभारी परिवार द्वारा कन्यादान कार्यक्रम संपन्न

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्रीमद्भागवत प्रभारी परिवार द्वारा स्थानीय रघुनाथ जी के बड़े मंदिर पर प्रभात फेरी 97वाँ कन्यादान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके तहत 121 वीं चयनित परिवार की विवाह योग्य कन्या का श्रीमद् भागवतपरिवार द्वारा मायरा भरा गया। भागवत परिवार द्वारा कन्या को पलंग, गद्दे,स्टील की अलमारी, सिलाई मशीन ,टेबल कुर्सी, कूकर, ओवन,पंखा ,प्रेस, सोने चांदी के आभूषण, तथा घरेलू रसोई के सामान, शादी का बेस ,11 अन्य बेस तथा अन्य सभी दैनिक जरूरत की वस्तुएँ मायरा स्वरूप भेंट की गई। इस अवसर पर परिवार के भजन गायकों द्वारा मायरे के भजनों की प्रस्तुति दी गई । तत्पश्चात प्रसाद वितरण कर दुल्हन की विदाई के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर संजय घीया, , हरिप्रसाद कुमावत, राजू भाई शर्मा, किशोर साहू, अतीन राठी,प्रकाश भाई, जितेंद्र मुंदडा , संदीप अग्रवाल , सतनारायण सोनी ,जयकुमार, हरीश सांखला, ओम प्रकाश सॉखला, राजू गहलोत, मादुराम सैनी, देवराज मित्तल प्रेम नारायण राठी, विजय गुलबानी, कमल मंडोरा, सुरेश मराठा, सूर्यकांत शर्मा, विजय चावड़ा, ओम प्रकाश शर्मा, सुधीर जेथलिया, नवल सोमानी, विकास बुरड़, पनजी सोनी, बंटी बंसल, सुनील सिंघल, लक्ष्मी देवी, रेण घीया, मनोज सांखला, गोपाल डानी , दिनेश गहलोत , तरुण उत्तमचंदानी , सुनीता देवी, कौशल्या देवी, जय माता दी, शकुंतला देवी, कौशल्या गहलोत आदि कन्यादान कार्यक्रम में मौजूद थे ।

आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया

डडूका. शाबाश इंडिया

दशा हूमड़ दिगंबर जैन समाज डडूका द्वारा जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक पर्व पारम्परिक श्रद्धा एवम भक्ति से मनाया गया। समाज के प्रवक्ता राकेश शाह ने बताया की प्रातः गर्भ गृह में मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान का जलाभिषेक मुकेश के शाह, कांतीलाल शाह, दिनेश जे शाह एवं अजीत कोठिया ने किया। भगवान ऋषभदेव आदिनाथ स्वामी को मुक्ति का प्रतीक निर्वाण लाडू अजीत कोठिया, कुसुम कोठिया, कमला देवी एवं बदामीलाल कोठिया परिवार ने समर्पित किए। इससे पूर्व सभी ने स स्वर निर्वाण कांड भाषा पाठ पढा। आयोजन मंत्रोच्चार के साथ राजेंद्र कोठिया ने सम्पन्न कराया। निर्वाण लाडू रोहिता शाह एवं रजनी कोठिया ने तैयार किया। आयोजन मे भरत जैन, राजमल शाह, अशोक शाह, सुमित शाह, अनील कोठिया समाज अध्यक्ष मनोज शाह, जय कुमार शाह, विजय चंद शाह, चंद्रपाल शाह सहित कई समाजजन सम्मिलित हुए।

आदिनाथ निर्वाण दिवस पर हुआ नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

मरीजों की जांच, ऑपरेशन, दवाई, चश्मा, खाना सभी निःशुल्क

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

राजाखेड़ा। जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान आदिनाथ निर्वाण कल्याणक के पावन पर्व पर समाज सेवियों द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। समाजसेविका श्रीमती शशि कमलेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अपनी सासूमां स्वर्गीय श्रीमती भगवानदेवी जैन जी की पुण्य स्मृति में धौलपुर जिले की तहसील राजाखेड़ा में प्रातः 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर में रतन ज्योति नेत्रालय ग्वालियर से नेत्र चिकित्सकों की पूरी टीम नेत्र रोगियों की जांच, परीक्षण आदि करते हुए मोतियाबिंद के रोगियों का ऑपरेशन हेतु चयन किया । चयनित सभी मरीजों को ऑपरेशन हेतु ग्वालियर ले जाया गया, जहां सभी की आंखों के ऑपरेशन किए जायेगे । वरुण वैबरेज लि. कंपनी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वरिष्ठ समाजसेवी सीए कमलेश जैन गुरुग्राम ने जानकारी देते हुए बताया कि हमने सकल्प लिया है कि राजाखेड़ा क्षेत्र को मोतियाबिंद रहित क्षेत्र बनाना है।

विकेश मेहता का सम्मान : महावीर इंटरनेशनल की मानद सदस्यता प्रदान की

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। युवा सामाजिक कार्यकर्ता बांसवाड़ा के दिव्यांग कल्याण शिविर के ख्यातनाम आयोजक विकेश मेहता का महावीर इंटरनेशनल द्वारा न्यू लुक संस्थान परिसर मे बहुमान किया गया। मेहता को महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने माल्यार्पण कर, दुपट्टा ओढ़ाकर एवम एम आई पत्रिका महावीर प्रवाह भेट कर सम्मानित किया। कोठिया ने विकेश मेहता को एम आई पिन लगा कर महावीर इंटरनेशनल की मानद सदस्यता प्रदान की। कोठिया ने विकेश मेहता की समर्पित विकलांग सहायता सेवा से अभिभूत हो कर कहा की आज से विकेश वीर विकेश मेहता के नाम से जाने जायेंगे। सम्मान समारोह में एम आई नौगामा चेयरमैन सुरेश गांधी तथा डडूका केंद्र के रणजीत सिंह सोलंकी, जैन समाज बांसवाड़ा के महेन्द्र जैन भी उपस्थित थे। अतिथियों को कोठिया ने मुनि दर्पण निशुल्क मासिक के खुणादरी विशेषांक की प्रतियां भेट की।

वेद ज्ञान

सकारात्मक सोच से ही जीवन में सफलता

प्रत्येक व्यक्ति सफल होना चाहता है। जब वह असफल होता है तो खीझकर अपनी असफलता के बिंदु तलाशने लगता है कि आखिर कहां कमी रह गई? असफल होने के पीछे सबसे बड़ी वजह व्यवहार कुशलता की कमी है। वे लोग जो अधिक परिश्रमी नहीं हैं, लेकिन व्यवहार कुशल हैं तो वे प्रतिभाशाली और मेहनती लोगों से अधिक सफलता हासिल कर लेते हैं। मोटिवेशनल स्पीकर विली जॉली इस बारे में कहते हैं, ऐसा क्यों है कि कुछ लोग जिस चीज में भी हाथ डालते हैं, वह सोना बन जाती है, जबकि दूसरे कई लोग लक्ष्य पर कभी निशाना ही नहीं लगा पाते? इसका जवाब यह है कि वे लोग सफलता की विधि जानते हैं। जिस तरह केक या कचौड़ी बनाने की एक विधि होती है, उसी तरह सफलता की भी एक विधि होती है। इस विधि में अनेक मिश्रणों का घोल शामिल है जिनमें व्यवहार कुशलता, संकल्प, श्रम और सकारात्मक सोच शामिल है। वे लोग जो सामाजिक परिवेश में संकुचित और शर्मीले होते हैं अक्सर आत्मविश्वास की कमी से असफलता के शिकार हो जाते हैं। उन्हें यह अहसास ही नहीं होता कि असफल होने में उनकी किस्मत का नहीं, बल्कि उनके व्यवहार कुशल न होने का दोष है। व्यवहार कुशल व्यक्ति न केवल खुद कामयाब होता है, बल्कि अपनी संगति में आने वाले लोगों का भी सफलता से साक्षात्कार कराने में सहायक होता है। व्यवहार कुशल होना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है, बस इसके लिए आपको एक सरल सा कार्य करना है कि आप लोगों के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा आप अपने साथ चाहते हैं। यदि महज इस छोटी सी बात को अच्छी तरह समझकर प्रयोग में लाया जाए तो न केवल असंख्य लोग असफल होने से बच सकते हैं, बल्कि वे अपनी सफलता के मापदंडों को तोड़कर उत्कृष्टता के प्रतिमान तक सफलता प्राप्त कर सकते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अच्छा व्यवहार प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित करता है और इस तरह वह सभी का प्रिय बन जाता है। अध्यात्म एवं आशा से व्यक्ति व्यवहार कुशल बनता है। इसलिए व्यवहार कुशल बनें तो सफलता निश्चित ही आपके कदम चूमेगी। इतिहास में सफल व्यक्तियों की सूची निकालकर देखें तो पाएंगे कि उनमें से अधिकांश ऐसे थे जिनके कुशल व्यवहार ने दूसरों पर अमिट छाप छोड़ी।

संपादकीय

बदलता समाज और एक लम्बी बहस

सहजीवन यानी बिना विवाह के युवा जोड़ों के साथ रहने पर लंबे समय से बहस होती रही है। समाज का एक बड़ा हिस्सा इसे अनुचित मानता है। मगर निजता के संवैधानिक अधिकारों के चलते इस पर कोई कानूनी अंकुश लगाना संभव नहीं है। अब उत्तराखंड सरकार ने सहजीवन को अवैध तो करार नहीं दिया है, पर मर्यादित करने का प्रयास जरूर किया है। समान नागरिक संहिता विधेयक में उसने एक प्रावधान सहजीवन को लेकर भी

शामिल किया है। उसके तहत कोई भी प्रेमी युगल अगर सहजीवन में रहता या रहना चाहता है, तो उसे पहले क्षेत्रीय पंजीयक के पास पंजीकरण कराना होगा। अगर उन दोनों में से किसी की उम्र इक्कीस वर्ष से कम है, तो पंजीयक उसके माता-पिता को भी इस संबंध में सूचना देगा। उनकी मंजूरी के बाद ही संबंधित जोड़े के सहजीवन में रहने का पंजीकरण हो सकता है। अगर कोई जोड़ा पंजीकरण नहीं कराता है, तो उसे तीन महीने की कैद या दस हजार रुपए जुमार्ने का दंड या दोनों भोगना पड़ सकता है। इसे लेकर विपक्षी दल स्वाभाविक रूप से एतराज जता रहे हैं। वे इस प्रावधान पर कुछ ठहर कर विचार करने की मांग कर रहे हैं। सहजीवन को मर्यादित बनाने के पीछे सरकार की मंशा समझी जा सकती है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में बिना विवाह के साथ रह रहे प्रेमी युगल के बीच अनबन और विच्छेद की अनेक ऐसी अप्रिय घटनाएं हो चुकी हैं, जिनसे निपटना प्रशासन के लिए मुश्किल साबित हुआ। कई लड़कियों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बहुत-सी लड़कियां सहजीवन में रहने के बाद ठगी महसूस करती हैं। ऐसे मामलों में घरेलू हिंसा, संपत्ति का अधिकार, भरण-पोषण के दावे आदि के कानूनी प्रावधान लागू नहीं होते। इसलिए ऐसे अनेक मामलों में अदालत में गुहार लगाने के बाद भी लड़कियों को न्याय नहीं मिल सका है। उत्तराखंड सरकार इन्हीं समस्याओं से पार पाने के इरादे से यह कानून लागू करना चाहती है। सहजीवन संबंधी प्रावधान में स्पष्ट उल्लेख है कि पंजीकरण के बाद साथ रहने वाले प्रेमी युगल के संबंधों को कानूनी रूप से वैध माना जाएगा और महिला को वे सभी अधिकार प्राप्त होंगे, जो विवाह के बाद प्राप्त होते हैं। उनसे पैदा हुए बच्चे को उत्तराधिकार का अधिकार प्राप्त होगा। अगर लड़का किन्हीं स्थितियों में लड़की को छोड़ देता है, तो लड़की उससे भरण-पोषण पाने की हकदार होगी। एक तरह से यह कानून सहजीवन को कानूनी संरक्षण प्रदान करता है। कई बार कुछ जोड़े तय कर चुके होते हैं कि वे विवाह करेंगे, इसके लिए उनके परिवार वालों की भी मंजूरी होती है, मगर पढ़ाई-लिखाई, रोजगार आदि की विवशताओं के चलते वे विवाह को टाल देते हैं। विवाह से पहले साथ रहने लगते हैं। ऐसे जोड़ों को पंजीकरण से शायद ही कोई दिक्कत हो। मगर जो युवा चोरी-छिपे, बस शारीरिक सुख के लिए साथ रहने लगते हैं, उनमें विवाद की गुंजाइश सदा बनी रहती है। ऐसे ही जोड़ों को मर्यादित करने के लिए ऐसे कानून की जरूरत महसूस की गई होगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आरक्षण विमर्श...

सर्वोच्च न्यायालय में आरक्षण पर फिर एक बार बहस छिड़ गई है, जिस पर सभी का ध्यान जाना स्वाभाविक है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की पीठ ने कहा कि भारतीय संविधान यह नहीं कहता कि हाशिये पर रहने वाले समूहों के लोग अक्षम हैं, जबकि अन्य समूहों के लोग सक्षम। पीठ ने यह भी कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के लिए आरक्षण सुसंगत है। वाकई, उन्हें आरक्षण की बड़ी जरूरत है और इसे आने वाले अनेक दशकों तक बनाए रखने में ही समाज का व्यापक हित है, किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने जिस दिशा में इशारा किया है, वह भी महत्वपूर्ण है और उस पर कदम उठाना भले आसान न हो, पर विचार का क्रम अवश्य जारी रहना चाहिए। वैसे यह सवाल नया नहीं है कि क्या जिन लोगों को आरक्षण का भरपूर लाभ मिल चुका है, वे आरक्षण का लाभ छोड़ने के लिए तैयार होंगे? हालांकि, ऐसी किसी भी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए ध्यान रखना होगा कि आरक्षण संबंधी कोई भी बिंदु अति संवेदनशील है और उस पर सहजता से कोई भी फैसला मुमकिन नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय में कुछ न्यायाधीशों ने जो टिप्पणियां की हैं, उन पर विशेष रूप से गौर करने की जरूरत है। एक न्यायमूर्ति ने पंजाब के महाधिवक्ता से पूछा कि क्या राज्य सरकार एससी/एसटी वर्ग के भीतर कुछ उन उपजातियों को आरक्षण के लाभ के दायरे से बाहर रखने के पक्ष मैंहै, जिन्होंने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है और बराबरी पर आ गई हैं? क्या ऐसे लोगों को आरक्षण की सुविधा से बाहर आकर सामान्य श्रेणी के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष नहीं करना चाहिए? उनकी जगह, जो लोग पिछड़ों में भी पिछड़े हैं, उन्हें आरक्षण मिलना चाहिए। एक अन्य न्यायमूर्ति ने भी संकेत किया कि एक विशेष पिछड़े वर्ग के भीतर, जब कुछ जातियां एक निश्चित स्थिति तक पहुंच जाती हैं और अगड़ी जातियों के बराबर हो जाती हैं, तो उन्हें आरक्षण के लाभ से बाहर निकल जाना चाहिए। आप इन टिप्पणियों को सलाह कहिए या विचार, इन पर अमल का काम तो संसद या सरकार को ही करना है। अदालतों की अपनी सीमा है, उन्हें कोई भी फैसला कानून के दायरे में ही देना है। भारत के प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने एक विषय तो छेड़ा है, मगर माकूल फैसला तो सरकारें अपने सियासी लाभ-हानि पर विचार करके ही लेंगी। बेशक, किसी से आरक्षण की सुविधा वापस लेने का कोई भी प्रबंध बड़े पैमाने पर विरोध की स्थिति पैदा कर सकता है। आरक्षण पाने वालों की स्वेच्छा से ही फैसला हो, तो ज्यादा सही है। इसके कुछ पहलू हैं, जिन पर सरकारों को विचार करना होगा। पहली बात, आरक्षण का लाभ हुआ है। दूसरी बात, यह कोई भी नहीं मानेगा कि उसे आरक्षण का पर्याप्त लाभ हो चुका है। तीसरी बात, यह हर कोई मानेगा कि आरक्षण का लाभ सबको नहीं मिला है, मतलब, आरक्षण से वंचितों की भी अभी ठीक-ठाक संख्या है। अब चौथी बात, दरअसल सवाल भी है कि विगत दशकों में तैयार हुए नए क्रीमी लेयर को आरक्षण छोड़ने के लिए कैसे तैयार किया जाए? विडंबना है कि आरक्षण के विस्तार में ही राजनेता समाधान खोजते रहे हैं और आरक्षण को कागजों से उतारकर एक बड़ी वंचित आबादी तक पहुंचाना अभी भी आसान नहीं है।

आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर में दो दिवसीय निर्वाण महोत्सव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

1008 श्री आदिनाथ भगवान निर्वाण महोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम बुधवार 7 फरवरी एवं गुरुवार 8 फरवरी श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फार्म मानसरोवर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सकल दिगंबर जैन समाज एसएफएस के द्वारा भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याण कार्यक्रम को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंत्री सोभाग मल जैन ने बताया कि बुधवार 7 फरवरी को प्रातः 6:30 बजे नित्य नियम अभिषेक शांति धारा एवं सायंकाल 7:00 बजे सामूहिक आरती उसके पश्चात भक्तामर जी का अनुष्ठान पाठ 48 दीपको से महिला मंडल के द्वारा विशेष कार्यक्रम किया गया। गुरुवार 8 फरवरी को प्रातः 6:30 बजे नित्यनियम अभिषेक शांति धारा श्रेष्ठि महेश ललिता, शैलेश विजया, जिनेंद्र राजश्री, धैर्य अयान के जन्म दिवस उपलक्ष पर पूरे परिवार ने की। उसके पश्चात पूजन एवं 9:00 बजे सामूहिक लड्डू ऊपर मंदिर वेदी पर चढ़ाया गया। पश्चात नीचे मंदिर वाली वेदी पर लड्डू चढ़ाया गया। सायंकाल 7:00 बजे सामूहिक आरती का आयोजन युवा मंडल द्वारा रखा गया। समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि अतिरिक्त शुद्ध लड्डू की व्यवस्था सभी श्रावको के लिए मंदिर में की गई। समाज के सभी के सहयोग से कार्यक्रम बड़े धूमधाम एवं भक्ति भाव से आचार्य श्री विद्यासागर जी के स्वास्थ्य लाभा की कामना करते हुए सआनंद संपन्न हुआ।

आदिनाथ मोक्ष कल्याणक पर सुनवाहा में चढ़ाया निर्वाण लाडू

संत भवन का लोकार्पण और हुआ विधान

रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। निकटवर्ती ग्राम सुनवाहा में प.पू. गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य जनसंत उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक पर महामस्तकाभिषेक के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। दोपहर में भक्तामर विधान , आदिनाथ विधान में इंद्र इंद्राणियों ने अर्घ्य चढ़ायें । इस मौके पर श्री विराग श्रमण संस्कृति भवन का लोकार्पण उपाध्यक्ष श्री विरंजन सागर जी, मुनि श्री विश्वदृग सागर जी व मुनि श्री विशौम्य सागर ससंघ के मंगल सान्निध्य में गरिमामय समारोह में किया गया । इस अवसर पर बकस्वाहा , बम्हौरी ,निवार , मझगुवांघाटी , कुडई , शाहगढ़ , नैनागिरि आदि बाहर से पधारे अतिथियों का अभिवादन सुनवाहा समाज की ओर से सुरेश सिंघई, प्रमोद सेठ, डा हरगोविंद,मोहन,अंकित, आशीष,संजू आदि ने किया।

भव्योदय अतिशय क्षेत्र रैवासा में भक्तिभाव से मनाया आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव

सीकर. शाबाश इंडिया। माघ बदी चौदस गुरुवार को जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर निकटवर्ती ग्राम रैवासा स्थित श्री दिगंबर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र रैवासा के मुख्य मंदिर में मोक्ष कल्याणक महोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। कार्याध्यक्ष देवेंद्र छाबड़ा व निर्माण मंत्री पंकज छाबड़ा दुधवा ने बताया कि संत शिरोमणी आचार्य 108 श्री विद्यासागर महाराज के धर्म प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि 108 श्री सुधासागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से इस महोत्सव में झंडारोहण पश्चात भक्तामर विधान मण्डल पूजन आयोजित किया गया, जिसके पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया गया । समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि ध्वजारोहण व विधान पुण्यार्जक पदम चंद, नवीन कुमार, साहिल, वरुण जैन परिवार प्रताप नगर, जयपुर थे। इस अवसर पर सीकर व आसपास के क्षेत्रों के धर्मावलंबी सम्मिलित होंगे ।

शहर के समस्त जैन मंदिरों में हुए विशेष आयोजन

समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर एवं आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मंगल भावना से प्रातः शहर के समस्त जैन मंदिरों में विशेष कलशाभिषेक, शांतिधारा हुई। पूजन विधान के पश्चात मोक्ष कल्याणक के अवसर पर आदिनाथ भगवान को निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। सांयकाल देवीपुरा जैन मंदिर में णमोकार जाप व भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया गया।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मनाया मोक्ष कल्याणक महोत्सव

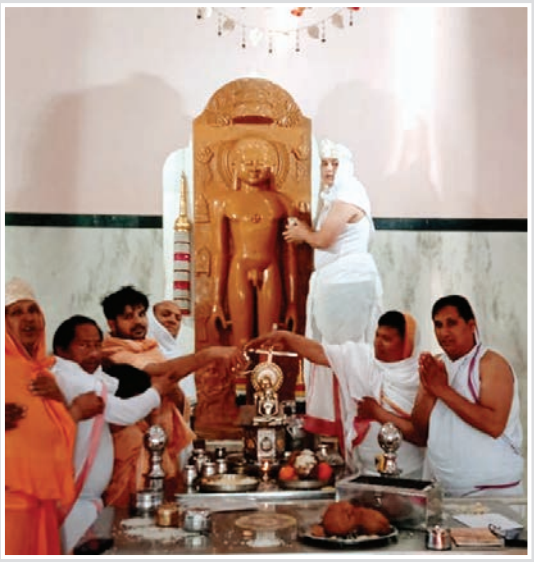

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा ,चौरू,नारेडा मंडावरी, मेंहन्दवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना के दिगम्बर जैन मंदिरों सहित फागी कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, त्रिमूर्ति मंदिर,पार्श्वनाथ चैत्यालय, चंद्र प्रभु नसियां तथा चंद्र पुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया, जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में आज आर्यिका श्रुतमति माताजी आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में त्रिमूर्ति जैन मंदिर में प्रातः अभिषेक, महाशांतिधारा के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना की गई साथ ही जैन धर्म के प्रर्वतक प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के समक्ष निर्वाण काण्ड भाषा का सामूहिक रूप से उच्चारण कर जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढ़ाकर सुख समृद्धि और शांति की कामना की गई।इससे पूर्व कार्यक्रम में सभी पूवार्चार्यों के अर्घ्य अर्पित कर आचार्य विद्यासागर जी महाराज के स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए सामूहिक रूप से जयकारों के साथ अर्घ्य चढ़ाते हुए दीघार्यु होने की कामना की गई, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश कुमार चौधरी ने बताया कि शुक्रवार 9 फरवरी को जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम में त्रिमूर्ति जैन मंदिर समिति के कमलेश कुमार जैन मंडावरा एवं पवन कागला ने बताया कि कार्यक्रम में आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में मंदिर समिति की अगुवाई में श्रीजी का दूध, दही, घृत, बूरा, केसर , एवं सर्वोषधि से पंचामृत अभिषेक किया गया तथा महावीर कुमार -राहुल कुमार जैन नला परिवार के सौजन्य से सकल जैन समाज के सहयोग से मनीष भैया के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोचारणों द्वारा आदिनाथ समोशरण विधान की पूजा अर्चना की गई जिसमें 51पूज्यार्थियो ने विधान पर 190 अर्घ्य अर्पित कर पुण्यार्जन प्राप्त किया। कार्यक्रम में समाज सेवी रामस्वरूप मंडावरा, भागचंद कासलीवाल, प्रवीण कासलीवाल, नौरतमल कठमाणा, गोपाल नला, पदम बजाज, सुरेंद्र पंसारी,मुकेश कलवाडा, पवन कागला, विनोद झंडा, विरेन्द्र नला,राकेश कठमाणा,राजेन्द्र नला,कमलेश मंडावरा, विनोद कठमाणा, मुकेश नला, विकास नला,त्रिलोक पीपलू, कमलेश चोधरी, तथा राजाबाबु गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

जिंदगी में कभी घमंड मत करना क्योंकि पत्थर जब पानी में गिरता है तो अपने ही वजन से डूब जाता है: गणिनी आर्यिका गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी,निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज) की पुण्य धरा पर विराजमान पुरातत्व रक्षिका श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित भक्तों को धर्म का सदुपदेश देते हुए कहा कि- जिंदगी में कभी भी अपने किसी हुनर पर घमंड मत करना क्योंकि पत्थर जब पानी में गिरता है तो अपने ही वजन से डूब जाता है। अहंकार में तीन गए- धन, वैभव और वंश। ना मानो तो देख लो इतिहास के पन्ने को रावण, कौरव और कंस की जीवन कहानी क्या थी। अच्छे समय का अहंकार ही बुरे समय को नियंत्रण देता है। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र का निर्माण कार्य चल रहा है। निवाई समाज ने मिलकर गुरूमां की पारणा कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। आगामी 25 फरवरी 2024 को पूज्य गुरु माँ का 30 वाँ दीक्षा दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया जायेगा।

श्रद्धा और विश्वास से होती है ईश्वर प्राप्ति : उपप्रवर्तिनी दिव्यप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रद्धा और विश्वास से होती है ईश्वर प्राप्ति गुरूवार को अहिंसा भवन शास्त्रीनगर मे आयोजित धर्मसभा में उप प्रवर्तिनी दिव्यप्रभा ने सैकड़ों श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मानव के मन में परमात्मा के प्रति श्रद्धा और भक्ति हो जाए तब विश्वास रूपी शिव को पा सकता है। श्रद्धा हो लेकिन विश्वास न हो तो काम नहीं बनता है। विश्वास हो और श्रद्धा का अभाव हो तब भी काम नहीं बन सकता है। जब ये दोनों मिल जाते हैं तो मन में प्रेम जागृत होता है। इसी प्रेम से प्रभु की प्राप्त कर सकता है। परमात्मा के प्रति श्रद्धा और विश्वास के साथ अपना सब कुछ सौंप कर गुरु के बताए मार्ग पर चलकर प्रभु का भजन करे यही मानव धर्म है। तभी वो जीवन को सार्थक बनाकर अपनी आत्मा को परमात्मा बना पाएगा। इसदौरान साध्वी निरूपमा ने कहा कि आत्मा अजर अमर अविनाशी है शरीर मरता हैं आत्मा नहीं प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया इस दौरान भादसोड़ा श्रीसंघ के अध्यक्ष रोशनलाल बोहरा उपाध्यक्ष हस्तीमल बोहरा मंत्री रमेश चंडालिया, महेंद्र चोरड़िया, युवा अध्यक्ष अनिल चंडालिया आदि पदाधिकारी ने उपप्रवर्तिनी दिव्यप्रभा को वर्ष 2024 के चातुर्मास के लिए साध्वी वृंद को विनती पत्र प्रदान किया उन सभी अतिथि पदाधिकारियों का अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल,ओमप्रकाश सिसोदिया, विनोद बोहरा मंत्री दिनेश बोहरा सरदार सिंह कावड़िया ने शॉल माला पहनाकर स्वागत किया गया। शुक्रवार को प्रवचन के प्रश्चात साध्वी मंडल न्यू आजाद नगर विहार करके पधारेंगे।

विधायक ने किया सामुदायिक भवन एवं पेयजल टंकी का लोकार्पण

दिवंगत आत्माओं का पवित्र संगम है मोक्ष धाम : धनखड

विराटनगर. शाबाश इंडिया। श्री पंच खंडपीठ स्थित मोक्ष धाम में विधायक कोष से निर्मित सामुदायिक भवन एवं समाजसेवी राधेश्याम बैराठी द्वारा निर्मित पेयजल टंकी का लोकार्पण गुरुवार को विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान विधायक धनखड ने कहा कि मोक्षधाम जैसे स्थल दिवगंत आत्माओं का पवित्र संगम है, जहां विभिन्न समाजों के दाह संस्कार संपन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि मानव योनि में जन्म लेने वाले हर प्राणी को सत्कर्म करने चाहिए, इंसान जन्म के समय खाली हाथ आता है और मरण पर खाली हाथ जाता है। इसलिए मोक्ष धाम के विकास में किया गया दान कभी व्यर्थ नहीं जाता है जिसमें हर समाज को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

जब लोगों की जुबां पर चढ़ गया था ''जब हम जवां होंगे...''

अमृता सिंह के जन्मदिन पर विशेष

उदयपुर। सन् 1983 में धर्मेन्द्र अपने बेटे सन्नी को लॉन्च करने के लिए फिल्म ''बेताब' बनाने की तैयारी में थे और उन्हें तलाश थी हिरोइन के रूप में एक खूबसूरत और टैलेन्टिड चेहरे की। इसी तलाश के दौरान उनकी मुलाकात, मशहूर लेखक खुशवंत सिंह की भतीजी से हुई और उन्हें अपने बेटे के लिए हिरोइन मिल गई। फिल्म बनी, हिट हुई और सिनेमा को मिली एक बेहद कमाल अभिनेत्री- अमृता सिंह। खासतौर से फिल्म का 'जब हम जवां होंगे, जाने कहां होंगे' गाना तो इतना चर्चित हुआ कि उस दौर के प्रेमी युगल ये गाना गुनगुनाते हुए खुद को सन्नी और अमृता से कम नहीं समझते थे। 'बेताब' के बाद इस पंजाबी कुड़ी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 1983 से 1987 तक लगातार सनी, मर्द, साहेब, चमेली की शादी, नाम, खुदगर्ज और वारिस जैसी सुपरहिट फिल्में कीं। सन्नी देओल, अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना, संजय दत्त, मिथुन चक्रवर्ती और राज बब्बर जैसे चोटी के अभिनेताओं के साथ काम करने वाली अमृता सिंह ने 1991 में अपने से 12 साल छोटे अभिनेता सैफ अली खान से शादी करके घर बसा लिया। मगर ये शादी लम्बी नहीं चली और 2004 में दोनों अलग हो गए। इस शादी से इनके दो बच्चे हुए, जिनमें बेटे का नाम इब्राहिम है और बेटी सिनेमा जगत में सारा अली खान के नाम से मशहूर हैं। एक जमाने में बॉलीवुड पर राज करने वाली इस दिग्गज अदाकारा का आज जन्मदिन है। शाबाश इंडिया की ओर से इन्हें जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं।

ओमपाल सीलन,
फिल्म जर्नलिस्ट एंड क्रिटिक,
वीआईएफटी, उदयपुर।

दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर में भगवान आदिनाथ निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में आज जैन धर्म के प्रवर्तक एवम प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याण दिवस पर बड़े ही उल्लास एवम भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाने का पुण्यार्जण श्रेष्ठी पदम कुमार, राज कुमार, पवन, अजय, नरेंद्र, अदिति, रिया, सम्यक छाबड़ा परिवार ने प्राप्त किया। देवेंद्र छाबड़ा ट्रस्टी ने बताया कि इस मांगलिक अवसर पर श्रेष्ठि ब्रह्मचारी दीपक राज,राम लाल, राकेश, शांति कुमार,पंकज, संजय, देवेंद्र, नरेश एवम अन्य श्रेष्टिगण उपस्थित थे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से ...

मनुष्य जीवन अति दुर्लभ है। ऐसा ही है जैसे कोई समुद्र में नहा रहा हो और उसके हाथ में खस-खस का एक दाना है। जैसे ही आँख में साबुन जाता है और वो खस-खस का दाना हाथ से छूट जाए। अब हम आप से कहें कि वो दाना खोजकर लाओ, तो शायद सौ जनम तक वो दाना मिलने वाला नहीं है। इससे भी कठिन है मनुष्य जीवन। इसका मूल्य वसूल कर ही यहां से जाना।
जीवन का मूल्य क्या है?

अर्थी उठे-उससे पहले जीवन के अर्थ को जान लेना ही जीवन का मूल्य वसूलना है।
चिता जले-उससे पूर्व अपनी चेतना को जगा लेना ही जीवन का मूल्य वसूलना है।
अस्थियाँ बिखरे-उससे पूर्व परमात्मा के प्रति आस्था जगा लेना ही जीवन का मूल्य वसूलना है।

अर्थी उठेगी, चिता जलेगी, अस्थियाँ बिखरेगी -- ये सब सुनिश्चित है, फिर क्यों हम पागलपन का जीवन जी रहे हैं- ?भारतीय व्यक्ति ही सबसे ज्यादा टाइम पास कर रहा है। जिससे पूछो -- क्या कर रहे हो?? एक ही जबाब मिलेगा -- टाइम पास कर रहा हूं। या टाइम नहीं है और काम भी कुछ नहीं है। जिन्दगी के मूल्यवान पलों को व्यर्थ मत जाने दो। जीवन एक अमानत है। जीवन परमात्मा प्रदत्त एक उपहार है। ऐसा जीवन जियो जिससे इस उपहार का उपहास ना हो। जीवन की सबसे मूल्यवान चीज है आपका वर्तमान। जो एक बार चला जाये, तो फिर पुरी दुनिया की सम्पत्ति से ना वापिस ला सकते हैं और ना ही उसे खरीद सकते हैं। जीवन के हर लम्हें में प्रेम बहार है। खो दो तो मीठी यादे हैं और जी लो तो जिन्दगानी है। इसलिए - जिन्दगी एक सफर, है सुहाना.. यहाँ कल क्या हो, किसने जाना...। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

श्री आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में चतुर्दशी दिवस पर श्री आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक उत्साह पूर्वक के साथ मनाया गया। प्रातः अभिषेक पाठ द्वारा श्रावकों ने सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक कर ऋषभ कासलीवाल ने पदम प्रभु भगवान की, गोवर्धन अग्रवाल ने आदिनाथ भगवान की राजकुमार शाह ने मुनीसुव्रतनाथ भगवान की शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं की भी शांतिधारा की गई। इस उपरांत निर्वाणकांड पाठ द्वारा रूपेश कासलीवाल परिवार ने आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक का निर्वाण लाडू चढ़ाया। सभी ने इसकी अनुमोदन की। महिलाएं भक्ति नृत्य कर खुशी का इजहार किया। इस दौरान आदिनाथ भगवान की पूजा- अर्चना कर अर्ग समर्पण किये। इस अवसर पर कई श्रावक- श्राविकाएं उपस्थित थी।

प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ निर्वाण उत्सव मनाया

छः विद्याओं के जनक थे भगवान आदिनाथ : सीए महेंद्र पाटनी

लाडनूं. कासं। नगर के सभी दिगंबर जैन मंदिरों में प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक पर्व भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के श्रावकों ने भगवान आदिनाथ का महा अभिषेक एवं शांतिधारा की। मंत्री विकास पांड्या ने बताया कि भक्तामर महामंडल विधान का आयोजन किया गया तदुपरांत जैन समाज के लोगों ने निर्वाण लाडू चढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर 48 अर्घ के साथ महामंडल विधान सानंद संपन्न हुआ। इस अवसर पर जैन दर्शन मनीषी डॉ सुरेंद्र जैन ने भगवान आदिनाथ के जीवन रहस्यों को बताया। समाजसेवी सी.ए. महेंद्र पाटनी, कोलकाता ने कहा कि भगवान श्री आदिनाथ असी मासी, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प विद्या के जनक थे। अर्थात उनके समय कल से ही खेती, किसानी, विद्या, अंक विद्या और शिल्प आदि कलाओं का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अंकुश सेठी, आकाश कासलीवाल, सुरेंद्र सेठी, नरेंद्र कासलीवाल, अंकुर चूड़ीवाल, आकर्ष जैन, विशाल सेठी, पत्रकार राहुल जैन, अनिरुद्ध जैन, शरद जैन सुधांशु, महेंद्र सेठी, महिलाओं में डॉ मनीष जैन, सुशीला सेठी, अंजना पांड्या, अल्पा कासलीवाल, मोनिका सेठी, कुसुम सेठी, संतोष सेठी, अध्यापिका वीणा जैन सहित दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारियों एवं श्रावक-श्राविकाओं ने सम्मिलित होकर सभी कार्यक्रमों में सहभागिता दर्ज की तथा पुनर्जन किया। **प्रेषक : शरद जैन सुधांशु, लाडनूं**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आदिनाथ निर्वाणोत्सव पर चढ़ाया निर्वाण लाडू

भगवान आदिनाथ से हुआ कर्म भूमि का आरंभ : आचार्य श्री आर्जाव सागर जी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मध्य भारत के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के मूल नायक भगवान श्री आदिनाथ स्वामी के निर्वाण कल्याणक पर स्वेत शक्कर से निर्मित 21किलो लाडू गुरु वार मंडल के संयोजक में दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के तत्वावधान में भक्तों द्वारा समर्पित किए गए । इसके साथ ही जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई। इसके पहले प्रातः काल से ही खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के दरवार में भक्तों की भीड़ ने पहुंच कर श्रद्धा पूर्वक नमन अर्पित किया। समारोह में शुभारंभ शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के साथ मंगलाष्टक से हुआ।

शिक्षा के महत्व को युगों पूर्व ही बता दिया था: इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक

विजय धुर्रा ने कहा कि युग के आदि में शिशाक्ती मानवता को संभालने वाले राजा रिषभ देव नारी शिक्षा के प्रवल समर्थक थे उन्होंने वेटा वेटीयो को अलग अलग शिक्षा देने का सन्देश देते हुए स्वयं वेटी ब्रह्ममी सुन्द्री को अंक और अक्षर की विद्या प्रदान की इससे लगता है कि वे वेटीयो की शिक्षा को कितना महत्व देते थे आज जो कोयेजूकेसन का सिस्टम चल रहा है इससे वच्चो में संस्कार की कमी आ रही है इसको सुधाकर ही हम अपने संस्कृतिक मूल्यो को बचा पायेंगे इसके पहले भगवान आदिनाथ स्वामी के कलशाविषेक के साथ ही एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों से महाभिषेक चार श्रावक श्रेष्ठी वनकर शैलू भारत संजीव श्रागर राजकुमार बड़जात्या गोहाटी सन्त जैन विदिशा ने किया वहीं शान्ति धारा विपिन सिंघई विनोद मोदी चन्द्रेश वासल राहुल सिघई सहित अन्य भक्तों ने द्वारा की गई।

भक्ति भाव से निर्वाण लाडू समर्पित किया

भगवान आदिनाथ स्वामी के चरणों में युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के बीच आचार्यश्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य गुरुमुख से मंत्रोचार के साथ लाडू समर्पित किया गया जिसका सौभाग्य गोहाटी से पधारे मदनलाल जैन संजय कुमार छावड़ा गोहाटी तरूण काला मुम्बई विजय धुर्रा गुरुवार मंडल पिपरई संदीप मुडरा जैकी जैन महिदपुर सुनील कुमार घेलू संजीव श्रागर राजेन्द्र हलवाई सहित अन्य भक्तों ने समर्पित किया ।

आचार्य श्री ससंघ का हुआ थूवोनजी आगमन

तगाड़ी से विहार करते संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य आचार्यश्री आर्जवसागर जी महाराज ससंघ मुनि श्री भाग्य सागरजी महाराज मुनिश्री महत सागर जी महाराज मुनिश्री सजगसागर जी महाराज मुनिश्री सानंद सागर जी महाराज ने दस बजे अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में मंगल प्रवेश किया। मंगल अगवानी उपरांत आचार्य श्री आर्जवसागर जी महाराज ने कहाकि यह क्षेत्र देश का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र में है जहां प्रत्येक मंदिर में ऐसी विशाल विशाल प्रतिमाये विराजमान हैं और जहां प्रतिदिन ही ऐसे धार्मिक अनुष्ठान होते ही रहते हैं। आचार्य श्री ने कहा कि आज आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक का पावन दिन है। तृतीय काल में उत्पन्न हुए और उसी काल में मोक्ष जाने वाले ऐसे महान तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का जन्म अयोध्या में हुआ था ,जो कि राजा नाभिराय- मरुदेवी के पुत्र थे।

जैन मंदिरों में भगवान आदिनाथ के गूंजे जयकारे, मनाया मोक्ष कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्मावलंबियों द्वारा जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का मोक्ष कल्याणक महोत्सव गुरुवार, 8 फरवरी को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः मंदिरों में भगवान आदिनाथ के अभिषेक के पश्चात जयकारों के बीच मंत्रोच्चार से विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण के बाद भगवान ऋषभदेव के मोक्ष कल्याणक श्लोक- माघ चतुर्दशी कृष्ण की,मोक्ष गये भगवान।भवि जीवों को बोधिके, पहुंचे शिवपुर जान ।का सामूहिक रूप से उच्चारण कर जयकारों के साथ अर्घ्य के साथ निर्वाण लाडू चढाया गया। भगवान ऋषभदेव की महाआरती के साथ समापन हुआ। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र शांतिनाथ जी की खोह में जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया।

जयपुर. शाबाश इंडिया। घी वालों का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर फागी में आदिनाथ भगवान का निवाणोत्सव मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया गया

मोदी विश्वविद्यालय की छात्राओं ने किया संसद भवन का भ्रमण

लक्ष्मणगढ़/सीकर. शाबाश इंडिया। लक्ष्मणगढ़ स्थित मोदी विश्वविद्यालय की विधि संकाय की छात्राओं ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन का भ्रमण किया। छात्राओं ने लोकसभा, राज्यसभा, सेंट्रल हॉल, लाइब्रेरी के साथ ही संसद भवन के भव्य म्यूजियम से भी रूबरू हुए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने विधि की छात्राओं से परिसर स्थित कम्यूनिटी हॉल में मुलाकात की एवं उनके साथ विचारों का आदान प्रदान किया। ओम बिड़ला ने जहा एक तरफ मोदी विश्वविद्यालय के विभिन्न पहलूओं की जानकारी ली वहीं छात्राओं से उनके वर्तमान शिक्षा एवं उनके भविष्य की योजनाओं पर विस्तुत चर्चा की। गौरतलब है कि छात्राओं ने ओम बिड़ला के आवास पर अल्पाहार किया, जबकि संसद भवन में इन छात्राओं के लिए स्नेह भोज की व्यवस्था की गयी थी। मोदी विश्वविद्यालय के विधि विभाग की छात्राओं के साथ डॉ.नीतू नुवाल, डॉ.पूजा जैन, डॉ.अदिति शर्मा एवं जय सिंह ने मोदी संस्थान की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष को विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस पुरे कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने जहा भारतीय संविधान के मूल को समझा वंही लोकतांत्रिक मूल्यों के परिपाटी से भी भलिभांति रूबरू हुए। मोदी विश्वविद्यालय अपने विभिन्न संकाय की छात्राओं को इस तरह के मौके प्रदान करते रहती है ताकि छात्राएं अपने क्षेत्र और विषय के विभिन्न पहलूओं को बेहतर तरीके से समझ सकें। विश्वविद्यालय के पीआरओ राजीव सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रबंधन छात्राओं के सर्वांगिण विकास के लिए हर स्तर पर सतत्प्रयास करते रहती है ताकि ये छात्राएं न सिर्फ अपने मुस्तकबिल को बेहतर बना सके बल्की देश और समाज के लिए भी एक मिसाल बने।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ द्वारा निर्वाण लाडू चढ़ाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी गुरुवार को भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस के अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप आदिनाथ द्वारा श्री दिगम्बर जैन मन्दिर आदिनाथ खोजान, किशनपोल बाजार, जयपुर में जलाभिषेक व दैनिक पूजन के बाद आदिनाथ निर्वाण लड्डू चढ़ाया। पूजा पंडित रमेश चंद गंगवाल द्वारा कराई गई। ग्रुप के संरक्षक प्रदीप -पुष्पा छाबड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष नरेन्द्र ठोलिया, अध्यक्ष कैलाश-आशा बिन्दायक्या, सचिव विमल प्रकाश-पुष्पा कोठारी, कोषाध्यक्ष रोशन लाल-आशा जैन व ग्रुप के अन्य पदाधिकारी व सभी सदस्यों की उपस्थिति रही।

श्री आदिनाथ जी का मोक्षकल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

दीन दुखियों को सहयोग करना धर्म है: मुनि विमल सागर जी

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा। प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य प.पू. मुनिश्री विमलसागर जी , प.पू. मुनिश्री अनंतसागर जी , प.पू. मुनिश्री धर्मसागर जी एवं प.पू. मुनिश्री भावसागर जी के सानिध्य में एवं ब्रह्मचारी प्रदीप भैयाजी रसुयशरअशोक नगर के निर्देशन में गुरुवार को वंडर सीमेंट प्लांट, निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान मे श्री आदिनाथ भगवान के मोक्षकल्याणक महोत्सव के अवसर पर श्री भक्तामर विधान हुआ , प्रातःकालीन की बेला में अभिषेक , शांतिधारा हुई,फिर निर्वाण लाडू अर्पण के साथ यह महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यह आयोजन पाटनी परिवार आर के मार्बल, वंडर सीमेंट परिवार, किशनगढ़ के द्वारा हुआ। वहीं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सकुशल स्वास्थ्य हेतु भक्तामर विधान किया गया। रथ के सारथी बनने, पाद प्रक्षालन, मुनिराज के आहार का सौभाग्य अशोक पाटनी, श्रीमति सुशीला पाटनी ,श्रीमति शांता पाटनी, विमल पाटनी,श्रीमति तारिका पाटनी, विनीत पाटनी, विवेक पाटनी को प्राप्त हुआ। रथ में चवर ढूलाने का रीतेश जैन बुढार,मनीष जैन और हर्षित सितावत घाटोल को प्राप्त हुआ। संगीतकार निलेश जैन बुढार ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री विमल सागर जी महाराज ने कहा कि यहां भगवंत, ग्रंथ,संत आ गए ,जिन्होंने अच्छे कार्य किए हैं उनका इतिहास बनता है ,धर्म के बिना मनुष्य का महत्व नहीं होता है ,जैसे शुन्य के साथ अंक का महत्व होता है, दीन दुखियों को सहयोग करना धर्म है , कर्ण रूपी अंजलि से धर्म की बातें सुने ,पाप को धोने के लिए दान होता है, संसार की सभी स्त्रियों को मां ,बहन, बेटी जैसा देखना चाहिए, इंसान की इच्छाओं का अंत नहीं है, अच्छे-अच्छे विद्यालय, औषधालय , अनाथालय खुलवाओ, हमेशा हमेशा सम्मान मिलता रहे ऐसा कार्य करें, कर्मों का स्टॉक बना हुआ है, कर्मों का प्लांट अनादि काल से चल रहा है, प्रवक्ता मनोज सोनी ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिर अरथूना जिला बांसवाड़ा का रथ रथयात्रा में शामिल हुआ, यहाँ के मंदिर के निर्माण शिखर बनवाने के लिए पाटनी परिवार आर के मार्बल, वंडर सीमेंट परिवार ने स्वीकृति प्रदान की। कार्यक्रम में पंचकल्याणक महोत्सव समिति निम्बाहेडा ने चित्र अनावरण किया एवम पंचकल्याणक पत्रिका अशोक पाटनी परिवार को भेट की।

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार, मुहाना मंडी में आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। पारस विहार, मोहनपुरा, मुहाना मंडी में स्थित अतिप्राचीन चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार गोदीका ने बताया कि आचार्य कुशाग्र नंदी जी गुरुदेव के आशीर्वाद से आज माघ कृष्ण चतुर्दशी दिनांक 8 फरवरी को श्री 1008 आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याण दिवस के अवसर पर अभिषेक व शांति धारा का सौभाग्य समाज श्रेष्ठि नरेश झ सुमन अजमेरा को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात पारस विहार, गुलाब विहार, लक्ष्मी निकुंज एवं आस-पास समाज के साधर्मी बन्धुओं ने आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर सामूहिक निर्वाण लड्डू चढाकर पुण्य का संचय किया।

भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । दिगंबर जैन धर्मावलंबियों की ओर से गुरुवार को जैन धर्म के पहले तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक श्रद्धापूर्वक मनाया गया। जैन धर्मावलंबियों की ओर से आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में प्रातः पंचामृत अभिषेक, महाशांतिधारा कर निर्वाण मोदक चढ़ाया गया व अष्ट द्रव्यों से विशेष पूजा-अर्चना की गई। दिगंबर जैन धर्मावलंबियों ने अर्ध्य चढ़ाकर आचार्य विद्यासागर महाराज के स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उनके दीघार्यु होने की कामना भी की। सायं संगीतमय महाआरती की गई।

धुलियान में भगवान आदिनाथ का मोक्ष निर्वाण कल्याणक महोत्सव सानन्द सम्पन्न

धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया। 8 फरवरी को आचार्य शीतल सागर जी के सानिध्य में भगवान आदिनाथ का मोक्ष निर्वाण कल्याणक महोत्सव धुलियान के श्री दिगंबर जैन मंदिर जी में धूमधाम के साथ मनाया गया, अभिषेक शांतिधारा के पश्चात आचार्य श्री का प्रवचन उसके बाद हर्षोल्लास के साथ निर्वाण लड्डु चड़ाया गया । दोपहर को आदिनाथ चालीसा का पाठ हुआ तथा सायः को गुरुभक्ती के पश्चात भक्तामर रिद्धिमन्त्र से दीप प्रज्वलन आदि का भव्य आयोजन हुआ। **रिपोर्ट : संजय बड़जात्या**

चमत्कारी पौधा, औषधीय गुणों का खजाना, बुखार गठिया से लेकर डायबिटीज तक में असरदार

शाबाश इंडिया। सदियों से हमारे ऋषि मुनि बीमारियों के इलाज के लिए पेड़ पौधों पर ही निर्भर रहे हैं. कुछ पेड़ पौधों में इतने औषधीय गुण होते हैं कि इनको जादुई पौधा ही मान लिया गया है. ऐसा ही एक चमत्कारी पौधा है हरसिंगार. हरसिंगार का पौधा गुणों की खान है. इसमें बहुत सारे औषधीय गुण होते हैं. **डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान विधान सभा** ने रोगियों पर किए अध्ययन में पाया कि हरसिंगार के सेवन से पुराने से पुराना बुखार, गठिया, मधुमेह इत्यादि ठीक किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि यदि हरसिंगार के पत्तों को उबालकर काढ़े के रूप में पिया जाए तो पुराने से पुराना बुखार जो ठीक न हो रहा हो ठीक हो जाता है. इसके अलावा इसकी पत्तियों को धो कर खाने से ये मधुमेह के रोगियों के लिए रामबाण सिद्ध होता है. शुगर के रोगी इसका काढ़ा बना कर भी पी सकते हैं. इसके काढ़े से शुगर के मरीजों को काफी राहत मिलेगा.

सौंदर्य को निखारने में भी है लाभदायक

हरसिंगार के फूलों को पीसकर इनका उबटन भी बनाया जाता है. यह उबटन सौंदर्य वर्धक होता है. इसके अलावा त्वचा रोग भी इसके सेवन से ठीक हो जाता है. गठिया का रोगी अगर इसकी पत्तियों को उबालकर बनाए गए काढ़े को पीता है तो उसका गठिया रोग भी ठीक हो जाता है. यह पौधा अपने आप में बहुत सारी खूबियां समेटे हुए है. विभिन्न मानसिक रोगों में भी हरसिंगार का उपयोग लाभदायक सिद्ध हुआ है.

डॉ. पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान विधान सभा जयपुर, 9828011871

युगदृष्टा भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। अ.भारतवर्षीय श्री दिगम्बर जैन महासभा, अजमेर संभाग के संयोजक संजय कुमार जैन व संभाग प्रवक्ता कमल गंगवाल ने बताया कि आज पूरे भारतवर्ष में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व मनाया गया । जिसके अन्तर्गत सभी जिन मन्दिरजी, नसियांजी, कालोनियों के मन्दिरजी में प्रातः आदिनाथ भगवान का जिनेन्द्र अभिषेक व वृहदशान्तिधारा हुई जिसमें सोनीनगर जैन मन्दिरजी में सुनील कुमार संजय कुमार जैन, पारस दोसी , महावीर जैन सम्पन्न हुई तत्पष्चात निर्वाण कांड का सुन्दर वाचन किया गया और मोदक समर्पण सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं द्वारा अर्पित किये गये एंव आदिनाथ भगवान की पूजन आदि सम्पन्न हुई तथा रात्रि में 108 दीपको से महाआरती सभी मन्दिरजी आदि में सम्पन्न हुई। गंगवाल व जैन ने बताया कि युगदृष्टा प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ का जन्म जम्बूद्वीप भरतक्षेत्र की पावन नगरी अयोध्या में हुआ था । भगवान का जन्म चैत्र माह के कृष्णपक्ष की नवमी तिथि को उतरषाढ नक्षत्र में इष्वाकु वंष में हुआ जिनके पिता का नाम राजा नाभिराय अयोध्या के राजा थे तथा माता मरूदेवी थी । भगवान का मोक्ष कल्याण आज के दिन माघ मास की कृष्ण चर्तुदषी को अष्टापद कैलाश पर्वत से गये ।

मंडाभीमसिंह में विशाल कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैसलाना। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम मंडाभीमसिंह में चल रहे 200 वॉ स्थापना दिवस, कलशारोहण,ध्वजारोहण,श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन 3 फरवरी से 8 फरवरी तक आयोजित हो रहा है। गुरुवार को जिनेंद्र अभिषेक,शांतिधारा,नित्य नियम पूजन,चित्र अनावरण,दीप प्रज्ज्वलन,आर्यिका माताजी के पाद-प्रक्षालन,शास्त्र भेंट,श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजन ,माताजी की आहारचर्या, महाआरती, मंगलाचरण,भक्ति संध्या का आयोजन हुआ।शाम को महाआरती में पुण्यार्जक परिवार अपने घर से नाचते गाते हुए पंडाल में पहुंचे जहां भक्तिमय महाआरती की गई।भजनसम्राट केशव के भजनों से भक्त भावविभोर होकर भक्ति में झूम उठे।रात को विशाल कवि सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय कवि,मंच संचालक,डॉ कमलेश जैन बसंत,श्रंगार रस की कवयत्री सपना सोनी,वीर रस के कवि मनोज चौहान,हास्य कवि

संजय खत्री,हास्य पैरोडी के कवि कुलदीप ब्रजवासी मौजूद रहे। कवि कमलेश जैन बसंत ने तीर्थराज को शिमला नैनीताल नही बनने देंगे,सपना सोनी द्वारा प्रेम का कोई एक दिन नही,मनोज चौहान द्वारा देशभक्ति और वीर रस की कविताएं,संजय खत्री और कुलदीप ब्रजवासी द्वारा हास्य की पेरोडीया सुनकर दर्शक मंत्रमुग्ध और तालिया बजाने को मजबूर हो गए। रात को हुए विशाल कवि सम्मेलन में देर रात तक सर्दी की कड़कड़ाती ठंड में भी दर्शक कवियों को सुनने देर रात तक बैठे रहे।कवि सम्मेलन में मंच संचालन कवि डॉ कमलेश जैन बसंत ने किया। इस दौरान भैंसलाना, मींडा, रेनवाल, खाचरियावास, जोबनेर,नावां,कुचामन, जयपुर सहित अन्य शहरों गावों के श्रद्धालु देर रात तक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर चढ़ाया निर्वाण लाडू

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। जैन धर्मावलंबियों द्वारा जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का मोक्ष कल्याणक महोत्सव गुरुवार, 8 फरवरी को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर कस्बे सहित आसपास के गांवों कस्बों के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः मंदिरों में भगवान आदिनाथ के अभिषेक के पश्चात जयकारों के बीच मंत्रोच्चार से विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना के दौरान निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण के बाद भगवान ऋषभदेव के मोक्ष कल्याणक श्लोक-स्माघ चतुर्दशी कृष्ण की,मोक्ष गये भगवान।भवि जीवों को

बोधिके, पहुंचे शिवपुर जान। का सामूहिक रूप से उच्चारण कर जयकारों के साथ अर्घ्य के साथ निर्वाण लाडू चढाया गया। भगवान ऋषभदेव की महाआरती के साथ समापन हुआ। कोटखावदा के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बडाबास में अध्यक्ष महावीर गंगवाल एवं मंत्री दीपक वैद के नेतृत्व में मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाकर निर्वाण लाडू चढाया गया। इस मौके पर भाग चंद पाटोदी, शांति चांदवाड, मनोज वैद, हेमराज गंगवाल, पंकज जैन,आलोक पाटोदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। राजस्थान जैन युवा महासभा जोन जयपुर ग्रामीण के महामंत्री अमन जैन कोटखावदा के मुताबिक श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चैत्यालय, छोटा बास स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में कल्याणक दिवस पर विशेष आयोजन किए गए। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में विशेष आयोजन किया जाकर निर्वाण लाडू चढाया गया। आकोडिया के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बापू गांव स्थित श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार , चाकसू के आदिश्वर धाम, काशीपुरा,रुपाहेडी कला, महादेव पुरा,निमोडिया,बस्सी आदि दिगम्बर जैन मंदिरों में भगवान का निर्वाणोत्सव मनाया गया ।

भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का योगदान विषयक मासिक व्याख्यान माला संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जे ए एस और श्री आदिनाथ मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान मे आयोजित भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का योगदान विषयक मासिक व्याख्यान माला में आज 7वा व्याख्यान ऋषभदेव निर्माण दिवस के पावन अवसर पर सिन्धु घाटी मे ऋषभदेव के

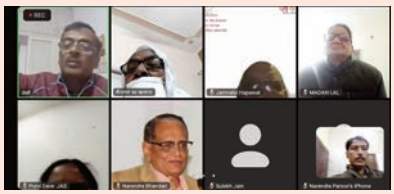

प्रारंभिक अंकन और समाज मे स्वीकारता विषय पर डा.मैनुअल जोजेफ के द्वारा 8 फरवरी को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त विद्वान प्रोफेसर भागचंद भास्कर की अध्यक्षता मे विविधतापूर्ण संदर्भ सहित सार गर्वित व्याख्यान दिया। पूर्व ए एश आई के वरिष्ठ अधिकारी डा मैन्युअल जोसेफ ने कहा प्रारंभिक तौर पर ऋषभनाथ के अंकन सिन्धु सभ्यता मे मिलते है,कायोत्सर्ग दिगंबर मूर्तियां ,योग अभ्यास करते ध्यानास्थ योगी ,पद्मासन केश सहित मूर्तियां स्वास्तिक चिन्ह वृषभ आदि पशुओं की मान्यता आदि अनेक परमाणो से और ऋग्वेद एवं अन्य साहित्यिक और पुरातात्विक संदर्भों से ऋषभदेव की मान्यता हड़प्पा मोहनजोदड़ो मैं जैन धर्म की मान्यता का प्रबल समर्थन करते हैं , मुख्य अतिथि मदन लाल अग्रवाल ने कहा कि आपका व्याख्यान उत्साहवर्धक है परंतु मैं पुरातत्व का जानकार नही हूं फिर भी यह कह सकता हूं कि पुरातत्व की दृष्टि से सिंधु घाटी में उपलब्ध सामग्री से जैन परंपरा की पुष्टि होती है , लेख आदि के वाचन के बाद यह विषय और स्पष्ट होगा,ग्लोबल जैन महासभा के अध्यक्ष जमनालाल हमपावत ने कहा कि मैन्युअल सर ने काफी अच्छी जानकारी दी है जो काफी ज्ञानवर्धक एवं रोचक भी है मैं आगे भी चाहूंगा इसी तरह के कार्यक्रम होते रहे और लोगों को नई-नई जानकारियां मिलती रहे ।

राजस्थान का बजट एक संतुलित बजट

जयपुर. शाबाश इंडिया। वित्त मंत्री श्रीमती दियाकुमारी ने लेखानूदान बजट विधानसभा में पेश किया।आज की परिपेक्ष में वित्त मंत्री द्वारा बजट में सबको खुश करने की कोशिश की है ।जिसमें गृहणियों के लिए 450 रुपया में सलेंडर का प्रस्ताव किया गया। infrastructure Vikas के लिए 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आधारभूत ढांचे को ध्यान रखते हुए सड़क और स्वास्थ्य में ध्यान दिया है ।गरीब गृहिणी को बच्ची पैदा होते ही एक लाख रुपया का प्रावधान भी किया गया है। Jaipur Vikas hightech city बनाने का प्रस्ताव भी है जिससे रोजगार बढ़ेंगे राजस्थान में इकोनॉमिकल जोन का प्रावधान किया है बजट में यदि पेट्रोल और डीजल के प्राइस भी कम किए जाते तो यह सर्वोत्तम बजट होता ।

सुरेंद्र कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री
दिगंबर जैन महा समिति

श्री दिगंबर चंद्रप्रभ जैन मंदिर दुर्गापुरा में प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री 1008 आदिनाथ का निर्वाण लड्डू चढ़ाया

आचार्य श्री विद्यासागर जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भावना के साथ किया 12 घंटे का निरंतर णमोकार महामंत्र का जाप

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर चंद्रप्रभ जैन मंदिर दुर्गापुरा में प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री 1008 आदिनाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर भक्ति भाव से सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया एवं बारह घंटे तक णमोकार महामंत्र का जाप किया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा में गुरुवार दिनांक 8 फरवरी को प्रातः काल भगवान आदिनाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर अभिषेक शांतिधारा के पश्चात भक्ति भाव से पंडित दीपक शास्त्री ने निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक वाचन के बाद सामूहिक निर्वाण लाडू चढ़ाया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पावन दिवस पर शांति धारा में दस पुण्यार्जक परिवारों के नाम उच्चारित किए गए एवं सभी ने शांति धारा कर पुण्यार्जन किया। ट्रस्ट एवं महिला मण्डल द्वारा आयोजित णमोकार महामंत्र के 12 घंटे के जाप प्रातः 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक एवं अंत में भक्तामर स्तोत्र पाठ कर संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर महा मुनिराज जी पूर्ण स्वस्थ होने के लिए सभी श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों व सदस्यों में सतेन्द्र पांड्या, सुनील संगही, नरेश बाकलीवाल, विमल कुमार गंगवाल, दिलिप कासलीवाल, महेन्द्र सेठी, डॉ मनीष मणि, रेखा पाटनी, ऋतु चांदवाड़, जयकुमार जैन,नेमी निगोतिया, भाग चन्द बाकलीवाल, महावीर कुमार चांदवाड़, ललित काला, अशोक कासलीवाल, संजय सौगानी व श्री चन्द्र प्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा जयपुर की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया, मंत्री श्रीमती रानी सोगानी एवं समस्त कार्यकारिणी एवं सकल दिगम्बर जैन समाज दुर्गापुरा ने सहभागिता के साथ धर्म लाभ लिया।

हेरिटेज निगम की मेयर मनीषा गुर्जर ने जनता कॉलोनी में लोगो से मिलकर उनकी समस्याएं सुनी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनता कॉलोनी, वार्ड 90 में भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, वह हेरिटेज निगम की मेयर मनीषा गुर्जर ने जनता कॉलोनी से संबंधित समस्याएं देखी वह सुनी। वार्ड अध्यक्ष सुनील जैन व पार्षद सुनील दत्त ने, एक-एक करके जिनकी भी समस्याएं थी मेयर व रवि नैयर को समस्याएं बताई, साफ सफाई से संबंधित, वह गायों से संबंधित समस्याएं, वह सिनेमा स्कीम की जमीन के बारे में, लक्ष्मी नारायण धर्मशाला में अनधिकृत निर्माण होने पर, वह फन होटल से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया। मेयर ने तुरंत डीसी को इन सभी समस्याओं का निराकरण करने का आदेश दिया तथा अगले 10 दिन में वापस आने का वादा भी किया । इस दौरान गोपेश्वर गुप्ता, महेश बब्बर, सुधीर गंगवाल, अलका तथा अन्य वार्डों के पार्षद व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। अंत में रवि नैयर वह मेयर का विनोद जैन अनिल जैन ने माल्यार्पण कर स्वागत किया पार्षद सुनील दत्त का सुनील गंगवाल ने माल्यार्पण का स्वागत किया।

भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सव पर हुई 2304 दीपकों से भक्तामर महाअर्चना

48 मण्डल पर जयपुर की 48 कालोनियों से आया भक्तों का सैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान के तत्वावधान में संघीजी के मन्दिर सांगानेर में अतिशयकारी भगवान आदिनाथ के प्रांगण में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर के निर्वाणोत्सव के शुभ अवसर पर आचार्य वसुनंदी महाराज के आशीर्वाद से 2304 दीपकों से 48 मंडलीय श्री भक्तामर दीप महाअर्चना का भव्य आयोजन दीपोत्सव के रूप में हुआ। संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा अतिशयकारी मूल नायक भगवान आदिनाथ के समक्ष श्रीफल भेंट कर मुख्य मण्डल पर मंत्रोचार के साथ प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने कपूर चंद कसेरा परिवार के साथ मंगल कलश स्थापित किया। साथ ही सभी 48 मण्डलों पर पुण्यार्जकों द्वारा भी विधि विधान पूर्वक मंगल कलश स्थापित किये गये । भक्तामर का शुभारम्भ मंगला चरण के साथ हुआ । जिसके बाद प्रत्येक मण्डल से इंद्र भक्ति के साथ ग्रुप में आये व मुख्य मण्डल पर दीपक चढ़ाया । धर्म जागृति संस्थान के कार्याध्यक्ष अनिल जैन व महामंत्री सुनील पहाड़िया ने बताया कि इस दीप अर्चना में 48 मण्डल पर जयपुर की 48कालोनियों के परिवार दूर दूर से पधारें तथा अर्चना की संगीतमय प्रस्तुति श्री विद्या सागर यात्रा संघ के मनीष चौधरी एवम् साथियों द्वारा की गई । संस्थान के राजीव लाखना, पंकज लुहाड़िया के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शान्तिकुमार ममता सोगानी, विशिष्ट अतिथि कांता रश्मि कांत सोनी ,दीप प्रज्जवलन कर्ता कपूर चंद कसेरा परिवार का संस्थान के पदाधिकारियो ने स्वागत किया। धर्म जागृति संस्थान के मुख्य उद्देश्य में सहयोगी साधु सन्त के विहार के समय रास्तो में प्रवास हेतु सन्त भवन आदि कार्यों में सहयोग कताओं का राष्ट्रीय महामंत्री भूपेन्द्र जैन दिल्ली तथा प्रचार मंत्री संजय बडजात्या कामा आदि द्वारा सम्मान किया गया जिसमे श्री क्षेत्र भंडाना के पुण्यार्जक परिवार तथा हीरा पथ मानसरोवर मन्दिर की समिति एवं चातुर्मास में सहयोगी राजीव गाजियाबाद व गजेंद्र बडजात्या आदि द्वारा किए कार्यों की बहुत बहुत अनुमोदना व प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में आचार्य विद्यासागर जी महामुनिराज व आचार्य वसुनंदी जी महाराज सहित सभी संतों के उत्तम स्वास्थ्य हेतु जाप्य कर भावना भायी गई । प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने मण्डल पुण्यार्जकों व पधारे सभी श्रावकों का आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम का अति सुंदर संचालन प्रचार संयोजक विनोद जैन कोट्खावदा द्वारा किया गया। बिलाला ने सहयोग के लिए संघी जी मन्दिर के अध्यक्ष महावीर बज, मंत्री नरेन्द्र पाण्डया, सयोजक नरेंद्र बज सहित प्रबंध समिति व स्टाफ को धन्यवाद दिया। इधर संघी जी मन्दिर के मन्त्री ने धर्म जागृति संस्थान के इस विशुद्ध रूप से धर्म प्रभावना कार्यक्रम जिसमे सभी आडम्बरों से दूर रहा गया व इस शीत लहर में भी इतनी तादाद के साथ व्यवस्थित व प्रभावी कार्यक्रम आयोजन के लिए संस्थान को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में संरक्षक ज्ञान चंद जैन बस्सी , ओमप्रकाश काला , प्रेम चंद छाबड़ा , राकेश मधोराजपुरा शैलेंद्र गोधा , एवं मनीष बैद ,मनोज झांझरी , जीतू गंगवाल , राजीव पाटनी , पवन पांड्या , शीला डोड्या ,भाग चन्द मित्र पुरा ,राकेश समता गोदिका ,सोभाग अजमेरा ,महेश काला ,रमेश बोहरा ,सूरज अजमेरा , नरेंद्र बज , सुरेश कासलीवाल , कमल दीवान, मनीष लोंग्या, राजेश पाटनी , राजेंद्र बाकलीवाल आदि का सहयोग सराहनीय रहा । साथ ही विद्या वसु पाठशाला के छात्रो , श्रमण संस्कृति संस्थान की बालिकाओं , जैन बैंकर्स फोरम के सदस्यों आदि की कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी रही । कार्यक्रम के बाद सभी मण्डल पर स्थापित मंत्रोचारित मंगल कलश पुण्यार्जकों को घर ले जाने हेतु दिया गया ।

दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी में आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर हुआ विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी में आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर, आदिनाथ विधान का आयोजन किया गया। जनता कॉलोनी महिला मंडल की सचिव मंजू गंगवाल व उपाध्यक्ष सुधा जैन ने बताया कि आदिनाथ मंडल विधान में लगभग 60 महिलाओं व पुरुष ने सहभागिता निभाई। विधान धूमधाम से साजों के साथ भक्ति भाव से किया ।

प्रेम पर्व (वैलेंटाइन डे) के रोचक रीति-रिवाज

शाबाश इंडिया

इस प्रेम पर्व को मनाने के तौर-तरीके और रीति-रिवाज बड़े अनोखे व रोचक रहे है। प्यार के इजहार का प्रतीक माने जाने वाला यह दिन एक ऐसे संत के बलिदान का दिन है जिसने प्यार किया और प्यार करने वालों को बंधन में बांधने का प्रयास किया। ऐसा कहा जाता है कि रोम के शासक क्लोडियस द्वितीय ने अपने शासनकाल में अपने सिपाहियों पर अपनी प्रेमिकाओं से मिलने व शादी करने पर रोक लगा दी थी। तब इस प्रेम पुजारी वैलेंटाइन ने लोगों की छुपकर शादियां करवाई और प्रेम करने वालों को मिलाया। इसी वजह से क्लोडियस ने वैलेंटाइन को 14 फरवरी 269 ई. को मृत्युदंड दे दिया। वैलेंटाइन ने मृत्यु से पहले अपनी दोस्त जो कि जेलर की बेटी थी के नाम एक खत लिखा जिसमें उसमें लिखा- 'फ्रॉम योर वेलेंटाइन।' इसी दिन को प्यार के प्रतीक के दिन में संत वैलेंटाइन के नाम पर वैलेंटाइन डे के नाम से विश्व में मनाया जाने लगा। वैलेंटाइन डे मनाने की परंपरा हमारे देश में भले ही कुछ सालों से हो, लेकिन संसार के कुछ हिस्सों में प्रेमी यह पर्व एक लंबे अरसे से मनाते रहे हैं।

वैलेंटाइन डे के रोचक रीति-रिवाज

1700 ईस्वी में वैलेंटाइन डे के दिन अंग्रेज अविवाहित युवतियां कागज के टुकड़ों पर कुंवारे लड़कों का नाम लिखती थी और फिर उसे कीचड़ में लपेटकर बाल्टी में रखे पानी में डालती थी या पानी में बहा देती थी। जो नाम सबसे पहले पानी में तैर कर ऊपर आ जाता था वही उस युवती का सच्चा प्रेमी माना जाता था। 18 वीं शताब्दी की शुरूआत में कुछ मित्रों ने एक समूह बनाया था और फिर अपने वैलेंटाइन का नाम अपनी बाहों में लिखवा कर कई हफ्तों तक ऐसे ही रखा था। इन दोस्तों की इस अनोखे रिवाज के कारण इस दिन इस कहावत का चलन शुरू हुआ - 'अपनी बांह पर अपना दिल रखना।' की बर्षों पूर्व ऐसी मान्यता थी कि अगर वैलेंटाइन डे पर कोई युवती रॉबिन पक्षी को उड़ते देख ले तो उसकी शादी किसी नाविक से होती है। अगर उसे गोल्डफिंच उड़ती दिखती है तो उसकी शादी अमीर व्यक्ति से होती है और गौरैया दिखे तो गरीब व्यक्ति से शादी होती है। एक अनोखा रिवाज और भी रहा है, जिसमें युवतियां वैलेंटाइन डे से एक दिन पहले रात में अपने तकिए के चारों कोनों व बीच में तेजपत्ता पिन से टांक कर सोती थी। उनका विश्वास था कि ऐसा करने से उन्हें अपने भावी पति के दर्शन सपने में हो जाएंगे। इंग्लैंड में- उस दिन लोग उपहार स्वरूप एक दूसरे को फल और कैंडी देते हैं। विशेष रूप से किसमिस, अजवाइन व बेर वाला केक बनाया जाता है। बच्चे मिलकर वैलेंटाइन डे का गीत गाते हैं। जर्मनी में- वैलेंटाइन डे पर युवतियां गमले में प्याज बोती हैं व प्रत्येक को किसी पुरुष का नाम देकर फायरप्लेस के पास रख देती हैं, जो सबसे पहले अंकुरित होता है वही उसे महिला का

सच्चा प्रेमी होता है। इटली में - इस दिन अविवाहित युवतियां खिड़की पर बैठकर अपने भावी जीवन साथी का इंतजार करती है। जिस लड़के पर उनकी नजर सबसे पहले पड़ती है उससे वे एक साल के भीतर शादी भी कर लेती है। इस अनोखे रिवाज का चित्र शेक्सपियर की हेलमेट पुस्तक से भी प्राप्त हुआ था। अमेरिका में - लोग अपने दोस्तों को वैलेंटाइन कार्ड, चॉकलेट्स व गिफ्ट भेजते हैं। इस दिन हर साल तकरीबन चॉकलेट के करोड़ों डिब्बे बिकते हैं। कुछ स्कूलों में इस दिन समारोह भी आयोजित किए जाते है, क्योंकि ऐसा मानना है कि संत वैलेंटाइन बच्चों से बहुत प्यार करते थे। डेनमार्क में - इस प्रेम पर्व के दिन युवक अपनी प्रियतमा को एक विशेष वैलेंटाइन कार्ड भेजता है, जिसे जोकिंग लेटर भी कहा जाता है। इस कार्ड में कोई कविता भी जरूर लिखी होती है लेकिन भेजने वाला प्रेमी अपना नाम नहीं लिखकर उसकी जगह उतनी ही संख्या में बिंदु लगा देता है। अगर लड़की नाम सही पहचान लेती है तो लड़का ईस्टर पर उसे ईस्टर एग उपहार में देता है। वहां वैलेंटाइन डे पर सभी दोस्तों को सफेद रंग के दबे हुए फूल भेजने का भी रिवाज है। वेल्स में - लकड़ी के चम्मचों पर नक्काशी की जाती है और इन्हें ही उपहार में अपने प्रेमी या प्रेमिका को दिया जाता है। स्कॉटलैंड में - रिबन या कागज से बनी लवर नोट पारंपरिक उपहार है।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)